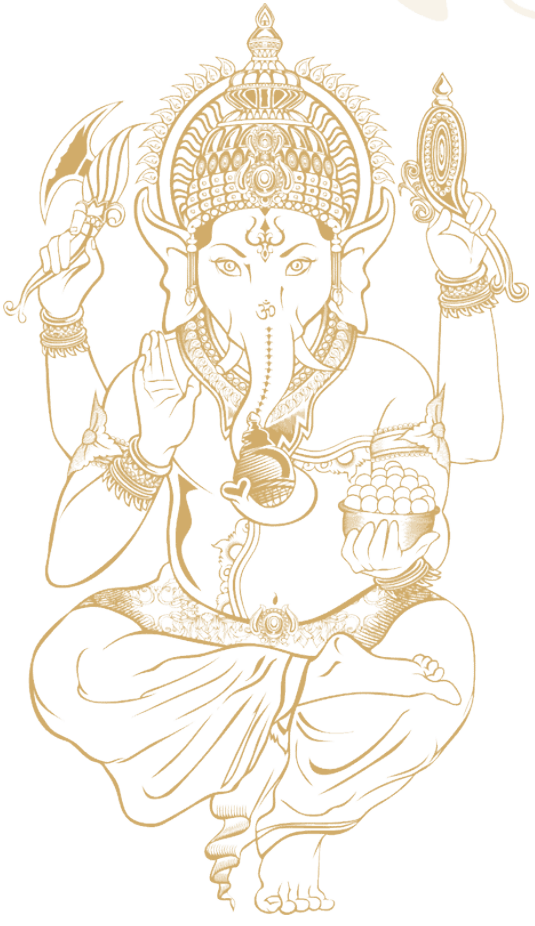

KHUSI TIWARI

02 Aug 2002

07:15 AM

Jaunpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121269404

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**02/08/2002**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:15:00 घंटे**
इष्ट	04:32:35 घटी
स्थान	**Jaunpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:44:00 उत्तर
रेखांश	82:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:15:44 घंटे
वेलान्तर	-00:06:16 घंटे
साम्पातिक काल	03:57:42 घंटे
सूर्योदय	05:25:58 घंटे
सूर्यास्त	18:44:39 घंटे
दिनमान	13:18:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:43:37 कर्क
लग्न के अंश	08:42:53 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	गण्ड
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ले-लेखा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	08:42:53	319:45:07	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			कर्क	15:43:37	00:57:25	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	22:50:14	12:06:42	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	18:33:36	00:38:20	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	नीच राशि
बुध			कर्क	28:19:20	01:51:15	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
गुरु			कर्क	06:11:20	00:13:17	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	00:30:48	01:03:53	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	नीच राशि
शनि			मिथु	01:05:22	00:06:18	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
राहु			वृष	22:30:36	00:00:30	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	22:30:36	00:00:30	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	03:40:04	00:02:14	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	15:41:38	00:01:38	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:10:01	00:00:45	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	07:38:48	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:20

लग्न-चलित

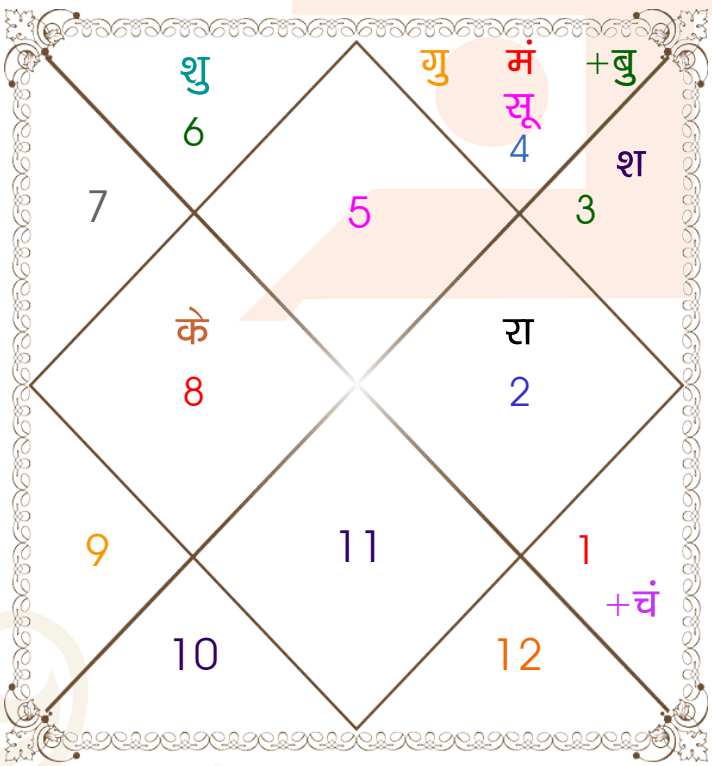

चन्द्र कुंडली

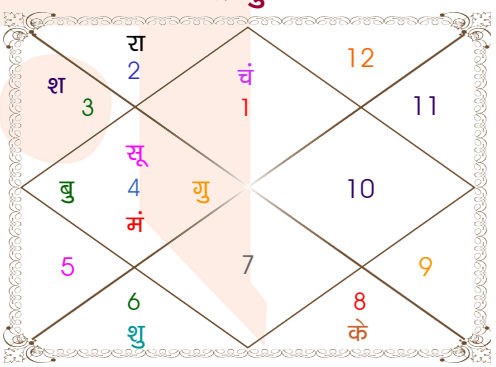

नवमांश कुंडली

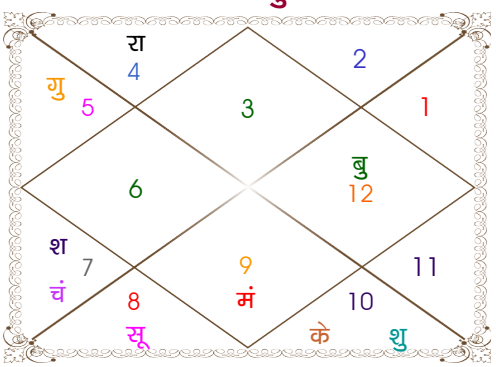

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 5 वर्ष 8 मास 28 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
02/08/2002		30/04/2008		30/04/2014		30/04/2024		01/05/2031	
30/04/2008		30/04/2014		30/04/2024		01/05/2031		30/04/2049	
	00/00/0000	सूर्य	17/08/2008	चंद्र	01/03/2015	मंगल	26/09/2024	राहु	11/01/2034
	00/00/0000	चंद्र	16/02/2009	मंगल	30/09/2015	राहु	15/10/2025	गुरु	05/06/2036
	00/00/0000	मंगल	24/06/2009	राहु	31/03/2017	गुरु	20/09/2026	शनि	12/04/2039
	00/00/0000	राहु	19/05/2010	गुरु	31/07/2018	शनि	30/10/2027	बुध	30/10/2041
	00/00/0000	गुरु	07/03/2011	शनि	29/02/2020	बुध	26/10/2028	केतु	17/11/2042
	02/08/2002	शनि	17/02/2012	बुध	30/07/2021	केतु	25/03/2029	शुक्र	17/11/2045
शनि	30/04/2004	बुध	23/12/2012	केतु	28/02/2022	शुक्र	25/05/2030	सूर्य	12/10/2046
बुध	01/03/2007	केतु	30/04/2013	शुक्र	30/10/2023	सूर्य	30/09/2030	चंद्र	12/04/2048
केतु	30/04/2008	शुक्र	30/04/2014	सूर्य	30/04/2024	चंद्र	01/05/2031	मंगल	30/04/2049

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/04/2049		30/04/2065		30/04/2084		01/05/2101		01/05/2108	
30/04/2065		30/04/2084		01/05/2101		01/05/2108		00/00/0000	
गुरु	18/06/2051	शनि	03/05/2068	बुध	27/09/2086	केतु	27/09/2101	शुक्र	31/08/2111
शनि	30/12/2053	बुध	11/01/2071	केतु	24/09/2087	शुक्र	27/11/2102	सूर्य	31/08/2112
बुध	06/04/2056	केतु	20/02/2072	शुक्र	25/07/2090	सूर्य	04/04/2103	चंद्र	01/05/2114
केतु	12/03/2057	शुक्र	21/04/2075	सूर्य	31/05/2091	चंद्र	03/11/2103	मंगल	01/07/2115
शुक्र	11/11/2059	सूर्य	02/04/2076	चंद्र	29/10/2092	मंगल	31/03/2104	राहु	01/07/2118
सूर्य	30/08/2060	चंद्र	02/11/2077	मंगल	27/10/2093	राहु	19/04/2105	गुरु	01/03/2121
चंद्र	30/12/2061	मंगल	12/12/2078	राहु	15/05/2096	गुरु	26/03/2106	शनि	03/08/2122
मंगल	06/12/2062	राहु	18/10/2081	गुरु	21/08/2098	शनि	05/05/2107		00/00/0000
राहु	30/04/2065	गुरु	30/04/2084	शनि	01/05/2101	बुध	01/05/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 5 वर्ष 8 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्य संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली महिलाओं में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी स्त्री हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपको अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होंगी।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगी। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करती।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगी परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगी। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगी।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित महिला हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करती हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाली हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहती हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभाव्य है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपनी मित्रों की मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगी। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझी जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहती हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।